प्र.मंत्री ने बायतू में विशाल जनसभा को संबोधित किया

इस चुनावी जनसभा के माध्यम से मोदी ने बाड़मेर-जैसलमेर की दस सीटों को साधने की कोशिश की

बाड़मेर, 15 नवम्बर (निसं)। राजस्थान में विधानसभा चुनावों के बढ़ रहे सियासी पारे के बीच बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बायतु पहुंचे। जहां उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी के करीब 45 मिनट के अपने संबोधन में नारी शक्ति पर विशेष फोकस रहा। उन्होंने कहा कि "नारी सुरक्षा मेरे प्राथमिकता है और मेरा मिशन मेरी बहनों का हर समस्या से मुक्त करना है।"

मोदी ने केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सीमांत क्षेत्र को समृद्धि का द्वार बनाने का आव्हान करते हुए विकास की बातें कही। प्रधानमंत्री मोदी ने इस चुनावी जन सभा के माध्यम से बाड़मेर - जैसलमेर की दस विधानसभा क्षेत्रों को साधने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री मोदी ने बायतू (बाड़मेर) में विशाल जनसभा को संबोधित कर जैसलेमेर के 10 विधानसभा क्षेत्रों को एक साथ साधने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश की गहलोत सरकार को निशाने पर लेते हुये कहा कि, कांग्रेस का पंजा केवल लूट-खसोट में जुटा रहता है। प्रधानमंत्री ने महिला अत्याचार के मामले में भी प्रदेश सरकार की कड़ी आलोचना की।

- **मोदी ने अपने भाषण में नारी शक्ति पर विशेष फोकस किया और कहा, मेरा मिशन मेरी बहनों को हर समस्या से मुक्त करना है।**
- **मोदी ने कांग्रेस की गारंटी के जवाब में कहा कि, सरकारी योजना के लाभ से कोई ना छूटे, यही हमारा प्रयास है और यही मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी का मतलब है, गारंटी पूरा होने की गारंटी।**
- **सभा में प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी सहित पार्टी के कई नेता व क्षेत्र की सभी दस सीटों के पार्टी प्रत्याशी मौजूद थे।**

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कांग्रेस की गारंटी यात्रा के जवाब में कहा कि सरकारी योजनाओं के लाभ से कोई नहीं छूटे, यही हमारा प्रयास है और यही मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत सरकार विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गांव गांव, पहुंचेगी और सरकारी योजनाओं से वंचित लोगों को उनका हक देगी। मोदी ने कहा कि हमने उज्जवला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त राशन,पीएम आवास , जल जीवन मिशन आदि योजनाओं के माध्यम से आमजन को राहत पहुंचाते हुए उनका जीवन आसान किया। प्रधानमंत्री ने महिला अत्याचार के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, पेपर लीक आदि मुद्दों पर जमकर घेरते हुए कहा कि कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति से राजस्थान मे अराजकता और अपराध बढ़े।

मोदी ने लाल डायरी का भी जिक्र करते हुए कहा की पहले कांग्रेस कहती थी की कोई लाल डायरी नहीं है, कुछ भी नही है लेकिन अब इसके चर्चे होने लगे है और इसके पन्ने भी खुलने लगे है। मोदी ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब डर-डर कर सरकार चलाती थी। आतंकी हमले होने पर विदेश में जाकर मदद की गुहार लगाते थे।आज हम आतंकियों को घर में घुसकर मारते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक के बाद एक कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस को घेरा। मोदी ने बाड़मेर जैसलमेर सहित सीमांत क्षेत्रों को समृद्धि का द्वार बनाने का आव्हान करते हुए इन क्षेत्रों के लिए विकास की बात कही।

सभा में राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी सहित संगठन के कई पदाधिकारी, बाडमेर जैसलमेर की दस विधानसभा सीटो के प्रत्याशी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री बेटे के मामले में ई.डी. की चुप्पी पर सवाल उठाये

नयी दिल्ली, 15 नवंबर (वार्ता)। युवा कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र देवेंद्र सिंह तोमर के धन के लेन-देन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चुप्पी पर हैरानी व्यक्त करते हुए बुधवार को ईडी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने इस मौके पर कहा कि तोमर के पुत्र के मामले में खुलासा होने के बाद आखिर ईडी अब चुप क्यों हैं जबकि केंद्रीय मंत्री के पुत्र का करोड़ों रुपए की हेराफेरी की बात करते समय का वीडियो सबके सामने है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी घेरा और कहा कि मध्य प्रदेश के सारे भाजपा के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, लेकिन मोदी चुप हैं और इन मामलों की कोई जांच नहीं करवा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि 2014 से अब तक ईडी ने जो भी कार्रवाई की हैं उनमे 95 फीसदी करवाई विपक्ष के नेताओं के खिलाफ की गई है। पिछले पांच साल में कई बड़े छापे मीडिया हाउस और पत्रकारों पर भी हुए, लेकिन तोमर के पुत्र की हजारों करोड़ के सौदे का खुलासा होने के बावजूद ईडी, केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग के लोग ग़ायब है।

कश्मीर में बस 300 फीट गहरी खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत

चढ़ाई पर अनियंत्रित होकर बस खाई में लुढ़क गई इस हादसे में 19 अन्य यात्री गम्भीर रूप से घायल हुये हैं

जम्मू, 15 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बुधवार को एक बस के फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 36 यात्रियों की मौत हो गई और अन्य 19 घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

पुलिस ने बताया कि डोडा के अस्सार इलाके में यात्री बस के 300 फुट गहरी खाई में गिरने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और अन्य 19 यात्री घायल हो गए।

उन्होंने कहा, बटोटे-किश्तवाड़ रोड पर त्रुंगल-अस्सार के पास बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई थी। पुलिस ने बताया कि बस के गहरी खाई में गिरने की सूचना मिलने के बाद तत्काल बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू किया।

उन्होंने कहा, दुखद घटना में 36 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि 19 घायल हो गए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल लोगों को इलाज के लिए हवाई मार्ग से जम्मू ले जाया गया है।

मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर के डोडा में बस दुर्घटना दुखद है। उन परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये सहायता के रूप में दिये जायेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी हादसे में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, दुर्घटना स्थल से डीसी डोडा हरविंदर सिंह से जानकारी साझा करते हुए दुख हो रहा है। घायलों को आवश्यकता के अनुसार जीएमसी डोडा और जीएमसी जम्मू में स्थानांतरित किया जा रहा है। हरसंभव मदद की जा रही है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना।

उपराज्यपाल सिन्हा ने राजभवन द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में आज डोडा के अस्सार में एक दुखद बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

उपराज्यपाल ने कहा, अस्सार, डोडा में एक दुखद बस दुर्घटना में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित व्यक्तियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए मंडलायुक्त और जिला प्रशासन को निर्देश दिया।

पायलट के गढ़ अजमेर में मुख्यमंत्री गहलोत नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उत्तर और दक्षिण विधानसभा क्षेत्र मे मजबूती प्रदान करने के लिए प्रचार की कमान खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संभाली। यह अलग बात है कि जनता तो दूर की बात मुख्यमंत्री के रोड शो मे कार्यकर्ता तक नहीं जुट पाए । नतीजा चार किलोमीटर के रोड शो को बीच मे ही छोड़ कर मुख्यमंत्री गहलोत जन सभा स्थल पहुच गए । लेकिन यहा भी मुट्ठीभर कार्यकर्ताओ को देख कर मुख्यमंत्री ने भाषण की औपचारिता को पूरा किया और रवाना हुए । कांग्रेस कार्यकर्ताओ का मानना था कि मुख्यमंत्री के आज के कार्यक्रम से सचिन पायलट को दूर रखे जाने की वजह से ही कांग्रेस की यह दुर्गति हुई है । आज के फ्लॉप शो की वजह से अजमेर उत्तर और दक्षिण के कांग्रेस उम्मीदवारों को फायदे की जगह नुकसान ज्यादा माना जा रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अजमेर दक्षिण से अशोक गहलोत समर्थक द्रोपदी कोली और अजमेर उत्तर से पायलट समर्थक महेंद्र सिंह रलावता को चुनावी मैदान में उतारा है।

गारंटी यात्रा के नाम से निकाले गए इस रोड शो की शुरुआत अजमेर के गाँधी भवन से की गई जिसका समापन नगरा क्षेत्र में एक विशाल जनसभा के साथ होना था । लेकिन रोड़ शो शुरू होने के साथ ही कार्यकर्ताओं का टोटा देखा गया, जो करीब एक किलोमीटर चलने के बाद फ्लॉप शो में तब्दील हो गया । रोड शो के मार्टिंडल ब्रिज पहुँचने पर चंद कार्यकर्ता ही बचे । आमजन और कार्यकर्ताओं की कमी को देखकर मुख्यमंत्री नाराज़ हुए और कार में बैठकर सीधे सभा स्थल पर पहुँच गए लेकिन यहाँ भी अपेक्षा के अनुसार कार्यकर्ता मौजूद नहीं थे। करीब एक हजार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर गहलोत हैलीपैड़ के लिए रवाना हो गए।

अजमेर दक्षिण की कांग्रेस प्रत्याशी द्रौपदी कोली ने कुछ स्थानों पर स्वागत के कार्यक्रम रखे थे लेकिन गहलोत वहाँ नहीं रुके जिससे कार्यकर्ताओं में नाराज़गी देखने को मिली। मंच से आमजन को संबोधित करते हुए गहलोत ने सात गारंटी योजनाओं और कांग्रेस सरकार द्वारा दी जा रही रियायतों व जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को जानकारी दी।

साध्वी नहीं आई नज़र- भाजपा की साध्वी अनादि सरस्वती ने कुछ दिन पूर्व कांग्रेस जॉइन की थी। माना जा रहा था कि अनादि को कांग्रेस अजमेर उत्तर से चुनाव लड़ाकर हिंदुत्व का कार्ड खेल सकती है। लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने इसका जमकर विरोध किया था उसके बाद अनादि का टिकट काट दिया गया । माना जा रहा था अनादि अशोक गहलोत के साथ रोड शो में शामिल हो सकती है लेकिन अनादि ने इस रोड़ शो से दूरी बनाई । अनादि सरस्वती ने हैलीपैड़ पर अशोक गहलोत से मुलाकात की। साथ ही लाल ड़ायरी के विवाद के बाद धर्मेंद्र राठौड़ भी रोड शो में नज़र नहीं आए ।

कार बेच कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंक पर 3.61 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने बैंक को निर्देश दिए हैं कि वह 15 दिन की अवधि में कार का ट्रांसफर उसे बेचे गए व्यक्ति के नाम पर कराए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश निशांत शर्मा के परिवाद पर दिया।

परिवाद में कहा गया कि कोविड के दौरान 2021 में परिवादी अपनी कार की किश्त नहीं चुका पाया। ऐसे में उसने बैंक से दो महीने का समय मांगते हुए बकाया दो लाख रुपए एकमुश्त देने का निवेदन किया, लेकिन बैंक ने यह नहीं मानते हुए उसकी कार जब्त कर ली और बाद में दो लाख रुपए से भी कम कीमत में सार्वजनिक नीलामी में बेच दी। कार बेचने के बाद नाम ट्रांसफर की जिम्मेदारी बैंक की थी, लेकिन बैंक ने ना तो नए खरीदार के नाम पर ट्रांसफर कराया और ना ही फास्ट टैग को ही हटाया। फास्ट टैग नहीं हटाने के चलते कार के टोल रोड पर जाने पर परिवादी के खाते से ही फास्टैग की रकम कटती रही, इसके अलावा कार का बीमा भी नहीं कराया गया। परिवादी को ही जिम्मेदार माना जाएगा। इस सभी कार्रवाई को परिवादी ने उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए उसे नाम ट्रांसफर नहीं कराने और फास्ट टैग नहीं हटाने पर क्षतिपूर्ति राशि दिलवाने और नाम ट्रांसफर करवाए जाने का आग्रह किया। आयोग ने परिवादी के पक्ष में फैसला देते हुए माना कि बैंक ने परिवादी के आग्रह पर भी उसे समय नहीं दिया और कार को जबरन जब्त कर उसे नीलाम कर दिया। वहीं बाद में नए वाहन मालिक के नाम वाहन ट्रांसफर भी नहीं किया। ऐसा करना बैंक का अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस व सेवा दोष है। इसलिए बैंक प्रशासन परिवादी को हर्जाना अदा करे।

राहुल एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डोटासरा सहित अनेक दिग्गज कांग्रेसी नेता भी होगें।

गौरतलब है कि राहुल गाँधी एक दिन के चुनावी दौरे पर राजस्थान आ रहे है। वे सुबह 10.25 पर विशेष विमान से दिल्ली से रवाना होकर 11.10 बजे सुरतगढ़ पहुंचेंगे। जहां सूरतगढ से वे हैलिकॉप्टर द्वारा 12.00 बजे तारानगर पहुंचेंगे वहा जनसभा करेंगे, उसके बाद दोपहर 1.30 बजे नोहर के लिये रवाना हो जायेंगे। नोहर में 2.00 बजे आमसभा को सम्बोधित कर 3.00 बजे सादुलशहर के लिये रवाना हो जायेंगे। सादुलशहर में 4 बजे आम सभा को सम्बोधित कर 5.15 बजे वापस सूरतगढ लौटेंगे तथा यहां से सांय 6.15 बजे विशेष विमान से दिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगे।

जनता ने तो मन बना लिया, नेताओं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मैसेज़ दिया कि "लॉयल्टी" पार्टी के प्रति चाहिये, नेता के प्रति नहीं। और, वसुंधरा राजे के तथाकथित समर्थकों को मिले चालीस -पैंतालीस टिकटों में अधिकांश वे लोग प्रत्याशी बनाये गये जो हर जगह , हर नेता के आते -जाते थे। केवल वसुंधरा राजे से बंधे हुए नहीं थे, और यह भी जरुरी है कि वे लोग हाईकमान के खिलाफ , या किसी नेता के कहने में, बगावत का झंडा उठाने की हिम्मत नहीं कर सकेंगे।

पर, मु.मंत्री पद के संभावित प्रतिद्वंद्वी का "इन्तजाम" करने की आदत नहीं जा रही, और यह जनता के मूड के खिलाफ है। अत: 150-160 सीटों पर जीतने की संभावना पर आघात करती है। पर, अगर जनता अपने अनुसार भारी बहुमत देती है, तो सभी साजिशें अपने आप फेल हो जाती हैं, चाहे ये साजिश किसी व्यक्ति विशेष व उसके समर्थकों ने मिल बैठ कर रची हों।

अब कांग्रेस की बात करें तो, राजस्थान में कैसे मु.मंत्री बना जाता है, इस बार मजबूरन कई धारणाएं टूटेंगी। एक "बेसिक" मान्यता थी कि, मेरी पार्टी के विधायक तो मेरे साथ हैं ही (पार्टी के साथ हैं हीं) पर, पलड़ा उसका भारी होता है, जिसके साथ, निर्दलीय व छोटी पार्टियों के एम.एल.ए खड़े दिखते हैं।

इस सिद्धांत के तहत निर्दलीय व छोटी-छोटी पार्टियों के विधायकों को निर्णायक मानने की प्रथा, शायद, 1951 के प्रथम चुनाव के बाद ही पड़ गयी थी, जबकि, कांग्रेस, हालांकि, स्वतंत्रता संग्राम में अहम् भूमिका निभाने के बाद अपने आप को मु.मंत्री पद का सख्त दावेदार मानती थी। पर, स्थिति एक घोड़े की दौड़ जैसी नहीं थी, जोधपुर महाराज के नेतृत्व में चुनाव लड़ी रामराज्य परिषद के लगभग उतने ही विधायक जीते थे। विधायकों की संख्या की दृष्टि से रामराज्य परिषद के पास केवल एक विधायक कम था, कांग्रेस के मु.मंत्री जय नारायण व्यास भी चुनाव हार गये थे, जोधपुर से।

बहरहाल ब्रिंकमैनशिप" (किनारे पर बैठे रहने की रणनीति) के सिद्धांत पर सरकारें बनाने की यह प्रथा खूब पनपी तथा फली-फूली राजस्थान में, और अशोक गहलोत की वर्तमान सरकार इस सिद्धांत का परिष्कृत, उच्चतम् व नवीनतम उदाहरण है।

यह सिद्धांत केवल चार पांच बार ही टूटा है अब तक, 1977 में आपातकाल के विरुद्ध जनभावना के कारण, 1980 में गैर कांग्रेसी दलों की खिचड़ी सरकार के आपसी झगड़ों के कारण, 1984 में इंदिरा गांधी की उनके अंगरक्षक द्वारा गोली मारकर हत्या करने के बाद, वर्ष 1993 में राम जन्मभूमि -बाबरी मस्जिद विवाद के कारण देश भर में पैदा हुई हिन्दुत्व की भारी लहर के कारण। इन चुनावों में जाति आकड़े, उम्मीदवार का व्यक्तित्व -रुतबा, साधन-सम्पन्नता के कुछ मायने नहीं रहे, केवल एक "सैन्टिमैंट," एक जज़्बा था, जो जनता को छू गया। क्या 2023 का विधानसभा चुनाव भी इसी श्रेणी का चुनाव है?

एक युवा नेता को, सरेआम गालियों से सम्बोधित करके, हतोत्साहित करने का मु.मंत्री का खुल्लम खुल्ला प्रयास सबने देखा, और स्वाभाविक ही है कि, एक युवा उभरते नेता को उसके जायज़ हक से जिस बेदर्दी से साजिश करके वंचित किया गया, वह भारी सरकारी व अर्द्धसरकारी विज्ञापनों के बावजूद जनता के क्षोभ को कम नहीं कर पाया है।

जादूगर का जादू, राजनीतिक कुटिलता, जोड़-तोड़ में माहिर होना शायद मायने नहीं रखेगा। मायने रखेगा, एक युवा पीढ़ी को सभी तरह के जोड़-तोड़ से, सभी सरकारी तंत्र के उपयोग -दुरुपयोग से आगे बढ़ने से रोकना। जादूगर ने जता दिया, उसे राज्य चलाना आता है, चाहे उस राज्य को चलाने का आधार हो, भय, सरकारी अधिकारी में, कर्मचारी में। बहुत बड़ी-बड़ी एजेन्सियों व विद्वान "प्रोफेशनल्स" को "एम्प्लॉय" किया गया, नये-नये मन लुभावन नारे, पोस्टर व होर्डिंग डिज़ाइन करने व शहर को आच्छादित करने के लिए। पर, सारे विज्ञापनों के बावजूद वे जवाब नहीं दे पाये कि, यदि जनता का भला करने की योजनाएं थीं आपकी झोली में तो अपनी सरकार के साढ़े चार साल उन्हें क्यों छुपा कर रखा, और चुनाव के छ: महिने पहले ही क्यों जनता के सामने प्रकट किया।

भारत ने क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने लगातार दसवीं जीत दर्ज की, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बुधवार को रोमांचक मैच में न्यूजीलैंड को 70 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से मिली हार का बदला भी ले लिया। भारतीय टीम 12 साल बाद टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। भारत का फाइनल मैच 19 नवम्बर को खेला जायेगा। मैच में पहले बैटिंग करते हुये भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 398 रन का लक्ष्य रखा। जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ने भी काफी उम्दा प्रदर्शन किया, लेकिन लेकिन अंत में अपने गेंदबाजी के दम पर भारत मैच जीतने में कामयाब रहा। मैच में मोहम्मद शमी ने सात विकेट लिये और उन्हें "मैन ऑफ द मैच" चुना गया। पहले बैटिंग करते हुये सेमीफाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने इतिहास रच दिया। उन्होंने वनडे करियर का 50वां शतक लगाया। अब वे वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में विराट ने ग्रेट सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। सचिन खुद इस मैच को देखने के लिए वानखेड़े में मौजूद थे। सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद विराट कोहली ने भरे स्टेडियम में सचिन की तरफ दोनों हाथ प्रणाम की मुद्रा में आगे बढ़ाकर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया।

तेलंगाना में भी कांग्रेस नेताओं में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव जीतती है तो सोनिया गांधी उन्हें मुख्यमंत्री बनाएंगी।

स्थानीय एवं राष्ट्रीय मीडिया के विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए ओपीनियम पोल्स के अलावा कॉरपोरेट सैक्टर की ओर से किए गए कुछ सर्वे में भी कांग्रेस की जीत का संकेत दिया गया है, जिससे कांग्रेस के पार्टी हल्कों में उत्साह और बढ़ गया है। पार्टी में दूसरी और तीसरी जमात के नेता भी पिछले दस वर्षों से सत्ता मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

नलगौंडा सांसद वैंकट रेड्डी को एक चुनावी मीटिंग में यह कहते सुना गया था कि चुनाव में यदि कांग्रेस विजयी रही तो उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। तेलुगु भाषा में कही गई उक्त बात सोशल मीडिया में वायरल हो चुकी है। विश्वास से कही गई उनकी यह बात निश्चित रूप से पार्टी को चिन्तित कर सकती है। खासतौर पर तब, जबकि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के अन्य भी दावेदार हैं। इनमें सबसे मजबूत दावेदार तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टी.पी.सी.सी.) के अध्यक्ष रेवन्त रेड्डी का है जिन्हें पिछले ढाई वर्ष में, अथक मेहनत कर तेलंगाना में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। रेवन्त के प्रयासों से ही राज्य के सशक्त रेड्डी समुदाय के नेताओं ने विभिन्न पार्टियों को छोड़कर कांग्रेस में घर वापसी की और कांग्रेस ने उसके बाद ही भारत राष्ट्रीय समिति और मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव को सत्ता से बेदखल करने की योजना पर काम शुरु किया। मुख्यमंत्री पद के अन्य दावेदारों में तेलंगाना के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उत्तम रेड्डी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष मधुयशि गौड़ शामिल हैं।

कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए अब तक किसी भी नेता को प्रोजैक्ट नहीं किया है। नेतृत्व ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए थे कि वे एक टीम के रूप में चुनावी संघर्ष में जुट जाएं और इसमें रेवन्त रेड्डी ने इस हद तक काम किया कि पार्टी भाजपा को नीचे धकेलकर सत्तारूढ़ पार्टी के समक्ष एकमात्र चुनौती बनकर सामने आ गई।

कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को भारत जोड़ो यात्रा ने भी गति प्रदान की। यात्रा जब तेलंगाना से गुजरी तब राहुल गांधी को अपार जनसमर्थन मिला था।

मीडिया रिपोर्ट्स संकेत देती है कि कांग्रेस के पक्ष में भारी जनसमर्थन है, जो सत्तारूढ़ पार्टी को वास्तविक चुनौती पेश कर रहा है। पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सिर्फ 19 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी थी और पार्टी के जीते हुए कई विधायक सत्तारूढ़ बी.आर.एस. में शामिल हो गए थे।

तेलंगाना की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनावों में बहुमत का जादुई आंकड़ा 60 है।

सत्ता परिवर्तन के लिए जनता के मूड और ओपीनियन पोल्स की गणित के हिसाब से चले तो कोई अप्रत्याशित घटनाक्रम हो जाए तो बात अलग है, लेकिन वैसे तो कांग्रेस आसानी से जीत दर्ज कर रही है।

अब यह देखना शेष है कि सत्तारूढ़ बी.आर.एस., मुख्य चुनौतीकर्ता कांग्रेस व अन्य राष्ट्रीय पार्टी भाजपा के बीच हो रहे इस त्रिकोणीय संघर्ष में कई बागियों और निर्दलीय उम्मीदवारों की उपस्थिति क्या असर डालेगी। उम्मीद है कि भाजपा की उपस्थिति से सत्ता विरोधी वोट बटेंगे जिससे सत्तारूढ़ बी.आर.एस. को मदद मिलेगी और इसीलिए कांग्रेस का यह कहना है कि बी.आर.एस. और भाजपा आपस में मिले हुए हैं तथा वास्तव में एक टीम है। मतदान 30 नवम्बर को होंगे और वोटों की गिनती 3 दिसम्बर को होगी।

अदालती आदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवमानना याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने पीटीआई भर्ती-2022 में आवेदन किया था, जिसमें फीस जमा नहीं होने के चलते उसका आवेदन स्वीकार नहीं हुआ। ऐसे में उसने पूर्व में याचिका दायर की थी। इसके बाद वह अदालती आदेश से परीक्षा में शामिल हुआ और उसके कट ऑफ से अधिक अंक आए। वहीं बाद में उसकी याचिका स्वीकार हो गई और नियुक्ति देने के लिए कहा गया, लेकिन अदालती आदेश के बावजूद भी उसे नियुक्ति नहीं दी गई। अवमानना याचिका में कहा गया कि उसे पीटीआई भर्ती-2022 में नियुक्ति दी जाए और अदालती आदेश की अवमानना करने वाले अफसरों को दंडित किया जाए।

प्र.मंत्री ने कहा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री को बहुत घमंड हो गया है। उनका अभिमान इतना बढ़ गया है कि अब वे जनता को गालियां दे रहे हैं

बघेल ने कहा, "उन्होंने हमारे नेता को गाली दी है। उनको घमंड आ गया है। रावण को भी घमंड था। वे प्रधानमंत्री हैं, कुछ भी कह सकते हैं लेकिन वे जिस तरह दूसरों को गालियां दे रहे हैं उससे केवल उनका घमंड झलकता है।"

डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहते हुए एक कांग्रेस नेता ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर यह कहते नहीं थकते कि हमारा देश "लोकतंत्र की जननी" है और दूसरी और वे इतने नीचे गिर जाते हैं कि विपक्ष के एक नेता को गालियां देने लगते हैं।लेकिन असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बघेल जिस जनता की बात कर रहे हैं वह किसी और ग्रह में रहती होगी, भारत में नहीं।

सरमा ने मंगलवार को कहा, "एक बार एक व्यक्ति ने कहा था, इंदिरा इज़ इंडिया एंड इंडिया इज़ इंदिरा। यदि भूपेश बघेल सोचते हैं कि राहुल गांधी जनता है तो यह भारत की जनता नहीं, किसी और ग्रह की जनता है। भारत की जनता राहुल को अपने में से एक नहीं समझती।

'हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलअंजदाजी से भारत आगाह हो जाये'

- **भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि, हाल के समय में चीन की नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों को धमकाने की स्थिति ने चिंता को और बढ़ा दिया है।**

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय ताकतों की बढ़ती उपस्थिति को लेकर आगाह किया है। साथ ही उन्होंने इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताई। सीएनएस ने कहा कि डर इस बात का है कि ऐसे स्थिति में क्षेत्र के ग्लोबल कॉमन्स कंटेस्टेड सीज में बदल जाएंगे। उन्होंने कहा कि चीनी सेना की ओर से मछुआरों को धमकाने से दक्षिण चीन सागर में स्थापित आचार संहिता का उल्लंघन बढ़ा है। यह स्थिति साफ तौर पर समुद्र के अनुशासन के लिए खतरा पैदा करती है।

हरि कुमार ने कहा, दक्षिण चीन सागर में नाजुक सुरक्षा स्थिति है जहां चीनी मिलिशिया या उसकी नौसेना की ओर से मछुआरों सहित छोटी नौ सेनाओं को धमकाने की घटनाएं बढ़ी हैं। इसके अलावा आपसी सहमति से बने कोड के उल्लंघन के मामले तकरीबन हर हफ्ते आ रहे हैं। इस तरह की चीजें समुद्र में अच्छी व्यवस्था और अनुशासन के लिए खतरा पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त समेत दूसरे मिशनों के लिए अतिरिक्त-क्षेत्रीय बलों के 50 से अधिक युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908